Date : 6 फ़रवरी 2023

बजट 2023 और सप्तर्षि योजनाएं

संदर्भ- हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2023 प्रस्तुत किया। प्रस्तुत बजट को अमृतकाल बजट भी कहा जा रहा है जो सप्तर्षि योजना पर आधारित है।

अमृतकाल- वर्तमान आजादी के 75वे वर्ष से आजादी की 100वी वर्षगांठ तक की अवधि को अमृत काल नाम दिया गया है। इस अवधि के लिए देश के प्रधान मंत्री ने पंचप्राण (Five plan) नाम से विकास कार्यों के लिए निम्न विषयों का चुनाव किया है-

1.विकसित भारत का लक्ष्य
- महिलाएं एवं बच्चे
- समावेशी विकास
- स्वास्थ्य व कल्याण
- आदिवासी सशक्तिकरण

2. औपनेशिक मानसिकता का त्याग
3. निज संस्कृति पर गर्व
4. एकता
5. नागरिकों में पर्यावरण के प्रति कर्तव्य की भावना

बजट 2023 में अमृतकाल के लिए निम्न विषयों को शामिल किया गया है-
- युवा वर्ग पर ध्यान देते हुए युवा वर्ग के लिए समान अवसर
- रोजगार सृजन में वृद्धि
- सुदृढ़ और स्थिर आर्थिक वातावरण।

सप्तर्षि योजना

समावेशी विकास- समावेशी विकास के तहत कृषि, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को रखा गया है। जो सबका साथ सबका विकास पर आधारित है।
- कृषि गतिरोध कोष की स्थापना के तहत कृषि से जुड़े स्टार्ट अप

को सहायता दी जाएगी।

- श्री अन्न के तहत भारत को मिलेट का वैश्विक केंद्र बनाना, कृषि क्षेत्र में अनुसंधान के लिए आईआईएमआर हैदराबाद को सहायता दिया जाना।
- स्वास्थ्य आधारित सिकल सैल एनीमिया मिशन शुरु।
- सरकारी व निजी संयुक्त चिकित्सा अनुसंधान को प्रोत्साहन।

वित्तीय क्षेत्र – महिलाओं व बुजुर्गों की आय का ध्यान रखा गया है। इसके तहत-

- **महिला सम्मान बचत पत्र-** इस योजना के तहत 2 वर्ष के लिए अधिकतम 2 लाख तक निवेश किया जा सकता है। यह निवेश केवल महिलाओं के लिए वैध होगा। इसमें ब्याज दर 7.5 फीसदी सालाना होगी। यह योजना 2025 तक ही लागू रहेगी।
- **वरिष्ठ नागरिक बचत स्कीम-** यह बचत योजना वरिष्ठ नागरिकों के लिए है, इसमें 60 वर्ष या उससे अधिक के भारतीय नागरिक हों, या 55 या 60 वर्ष में सेवानिवृत्त हो चुके हों इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसमें खाताधारक द्वारा न्यूनतम 1000 रु. से 15 लाख रु. तक की राशि जमा की जा सकती है। खाते में आयकर अधिनियम 80 C के तहत छूट उपलब्ध है।

हरित विकास-

- **पीएम प्रणाम PM PRANAM (Prime Minister Programme for Restoration, Awareness, Nourishment and Amelioration of Mother Earth)–** यह योजना राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में वैकल्पिक और रासायनिक उर्वरकों के संतुलन उपयोगों को बढ़ावा देने के लिए प्रारंभ की गई है। इसके लिए जैव इनपुट संसाधन केंद्रों की स्थापना प्रस्तावित है जिससे सरकार के सब्सिडी बोझ को कम करने के साथ उर्वरकों से होने वाले मृदा व जल प्रदूषण को कम किया जा सके।
- **मिष्टी – तटस्थ आवास व मूर्त आय के लिए मैंग्रोव पहल-** यह योजना समुद्री तटों के साथ नमक वाले क्षेत्रों में मैंग्रोव वृक्षारोपण की सुविधा प्रदान करेगा। मैंग्रोव वन इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह समुद्री आपदाओं से तटों की रक्षा करते हैं और खारे पानी में आसानी से उग जाते हैं।
- **अमृत धरोहर-** इसके तहत आर्द्र भूमि के संरक्षण व उसके अधिक से अधिक प्रयोग के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा सकेगा।

अमृत पीढ़ी : युवा शक्ति

- **पीएमकेवीवाई 4.0-** इसके तहत पाठ्यक्रम में कोडिंग आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस, रोबोटिक्स आदि के शामिल किया जाएगा।
- **पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देना –** घरेलू व विदेशी पर्यटकों के लिए कम से 50 गंतव्यों को विकसित किया जाएगा।

Yojna IAS
yojnaias.com

- **युनिटीमॉल स्थापित** करने के लिए राज्यों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिसमें स्थानीय उत्पादों जैसे एक जिला एक उत्पाद, जीआई टैग उत्पाद, हस्तशिल्प उत्पादों के विक्रय की सुविधा मुहैया करायी जाएगी।

अंतिम छोर तक पहुंचना-

- प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन प्रारंभ।
- कर्नाटक के सूखा संभावित क्षेत्र में धारणीय सूक्ष्म सिंचाई हेतु वित्तीय सहायता।
- प्राचीन पाण्डुलिपियों के डिजीटलीकरण हेतु भारत श्री की स्थापना।

क्षमता उभारना-आस्था आधारित सरकार

- तीन शैक्षिक संस्थानों में एआई केंद्रों की स्थापना।
- राष्ट्रीय डेटा शासन नीति की स्थापना।
- कारगर न्याय प्रशासन के लिए ई- कोर्ट के चरण 3 का प्रारंभ।
- 5G सेवा आधारित एप्लीकेशन विकास के लिए 100 प्रयोगशालाओं की स्थापना करना।
- प्रयोगशाला में निर्मित हीरा क्षेत्र के लिए अनुसंधान और विकास अनुदान।

अवसंरचना व निवेश में वृद्धि से रोजगार में वृद्धि

- अवसंरचनात्मक निवेश को बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों को 50 वर्ष तक ब्याज रहित ऋण मुहैया कराना।
- रेलवे के लिए 2.4 लाख करोड़ का उच्चतम पूँजीगत परिव्यय।
- पत्तनों, इस्पात, कोयला व उर्वरक क्षेत्रों के लिए एंड टू एंड कनेक्टिविटी हेतु निर्दिष्ट 100 परिवहन अवसंरचना परियोजना।

गुंजन जोशी

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

सलीमगढ़ का किला

संदर्भ –आगामी शिखर सम्मेलन से पूर्व दिल्ली के दिल्ली के कुछ स्मारकों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इसमें सलीमगढ़ का किला, महरौली पुरातत्व पार्क व कुतुब परिसर शामिल हैं। हेरिटेज वॉक के लिए महरौली पुरातत्व पार्क को कुतुब मीनार परिसर से जोड़ने का फैसला किया गया है।

सलीमगढ़ का किला

- दिल्ली भारतीय इतिहास का प्रमुख केंद्र रहा है, जो इतिहास के विभिन्न स्मारकों को सजोए हुए है। इन्हीं में से एक स्मारक सलीमगढ़ का किला है।

- सूर वंश के शासक सलीम शाह सूरी ने इसके निर्माणकार्य का प्रारंभ 1546 ई. में करवाया था।
- सलीमगढ़ का किला लाल किला परिसर में निहित है। जिसे 2007 में विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सूर काल

- सलीमगढ़ के किले का निर्माण सूर वंश के शासक शेरशाह सूरी के पुत्र सलीम शाह सूरी द्वारा करवाया गया था।
- 1555 में किले के पूर्ण निर्माण से पूर्व ही सलीमशाह सूरी की मृत्यु हो गई। 1556 में किला मुगलों के अधीन आ गया।
- किले की दुर्जेयता उसके भौगोलिक स्थिति (यमुना व अरावली पर्वत माला के मध्य) में निहित थी।

मुगल काल

- सूर साम्राज्य अधिक समय तक अपने किले पर आधिपत्य नहीं रख पाया।
- मुगल शासक हुमायूँ ने सलीमगढ़ के किले पर अधिकार कर इसका नाम नूरगढ़ कर दिया।
- अकबर ने किले को जागीर के रूप में शेख फरीद बुखारी को सौंप दिया जो एक मुगल सरदार था।
- शाहजहाँ द्वारा मुगल राजधानी को आगरा से दिल्ली स्थानांतरित करने पर किले को पुनः प्रमुखता प्राप्त हुई।
- शाहजहाँ ने सलीमगढ़ के किले के निकट किला ए मुबारक या लाल किले के नींव रखी।
- औरंगजेब के समय इस किले का प्रयोग कारागार के रूप में होने लगा। किवदंतियों के अनुसार औरंगजेब ने अपने ही भाई मुरादबख्श व बहन जेबुन्निसा को इस कारागार में कैद किया था। जैबुन्निसा ने इस किले में 21 साल कैदी के रूप में बिताए।
- मुगल सम्राट जहाँदार शाह को भी 1712-13 के मध्य किले में बंदी बनाया गया था।
- रोहिला सरदार गुलाम कादिर ने मुगल सम्राट शाह आलम की आंखे फोड़कर उसे यहीं कैद किया था। जब तक कि उन्हें मराठा सरदार महादजी सिंधिया द्वारा मुक्त न कर लिया गया।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

ब्रिटिश काल

- अंग्रेजों के अधीन इस किले को मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर को दिए जाने हेतु क्रांतिकारी चर्चाएं होने लगी। किले में एकत्रित होकर क्रांतिकारी सभाओँ का आयोजन होने लगा था।
- अंग्रेजों द्वारा विद्रोहियों को हराने के बाद बहादुरशाह जफर को हुमायूँ के मकबरे में कैद कर लिया गया।
- अंग्रेजों द्वारा सलीमगढ़ के किले का प्रयोग एक जेल व सेना शिविर के रूप में किया गया।
- 1945 में भी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के नेताओं व आजाद हिंद फौज के सैनिकों को अंग्रेजों द्वारा बंदी बनाकर इसी जेल में कैद किया गया था। जिसकी सुनवाई लाल किले से होती है।

स्वतंत्रता स्मारक

- 1995 में किले को स्वतंत्रता स्मारक में परिवर्तित कर दिया गया। इसका नाम स्ववतंत्रता सेनानी स्मारक कर दिया गया।
- यहाँ स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतीक चिह्न उपलब्ध हैं जैसे सुभाष चन्द्र बोष जी की तस्वीरें, कर्नल प्रेम कुमार की वर्दी, कर्नल गुरबख्श सिंह ढिल्लो के जूते और कोट के बटन आदि।
- इसे 2007 में लालकिला परिसर के साथ विश्व विरासत स्थल की सूची में नामांकित किया गया है।

लाल किला व सलीमगढ़ किले को जोड़ने वाले पुल का चित्र।

सलीमगढ़ किले की वास्तु संरचना

- किले की संरचना **त्रिभुजाकार** है, इसकी दीवारों में खुरदुरे पत्थरों की ईंटों का प्रयोग किया गया है।
- किले को मजबूत करने की **दृष्टि** से समय समय पर इसमें गोलाकार **बुर्जों** का प्रयोग किया जाता था।
- सलीमगढ़ किले को लालकिले से जोड़ने के लिए बहादुरशाह जफर के काल में एक धनुषाकार पुल का निर्माण किया गया था।
- इसके प्रवेश द्वार में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग हुआ है। इस द्वार को बहादुर साह जफर द्वार भी कहा जाता है।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

ऐतिहासिक धरोहरों की मरम्मत व रखरखाव

इतिहास के सत्यता की जाँच उसके प्राथमिक स्रोत जैसे स्मारकों से की जाती है। भारतीय इतिहास व संस्कृति के संरक्षण की दृष्टि से इन स्मारकों का संरक्षण आवश्यक हो जाता है। भारत में स्मारकों का संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता रहा है जिसकी स्थापना 1861 में अलैक्जेंडर कनिंघम ने की थी। वर्तमान में यह भारत की संस्कृति मंत्रालय की देखरेख में है।

इससे पूर्व ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण का कार्य तुगलक वंश के शासक फिरोजशाह तुगलक ने किया था। उन्होंने कई पूर्व निर्मित इमारतों का पुनर्निर्माण करवाया था। आपदाग्रस्त कुतुबमीनार का पुनर्निर्माण का श्रेय भी फिरोजशाह तुगलक को जाता है।

गुंजन जोशी

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com